DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B. A. Part —— I
Paper —— II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.com
8294391291

जार्ज प्रथम एवं जार्ज द्वितीय के शासन का संवैधानिक महत्व —— V

(iii) प्रधानमंत्री के स्थान का प्रादुर्भाव ! — गौरवपूर्ण क्रांति के बाद देश के सभी कानूनों और करो पर पार्लियामेंट का नियंत्रण स्थापित हो गया था। इतना हो जाने के बावजूद सभी शासकों ने अपना शासन व्यवस्था को खुद चलाया था। जैसा कि विलियम तृतीय अपने सभी मंत्रियों को चुना करता था और उन सब पर निगरानी भी रखता था। रानी ऐन भी सभी मंत्रियों को चुना करती थी और कैबिनेट सभा में जाकर सभापतित्व भी किया करती थी। परन्तु जार्ज प्रथम एवं जार्ज द्वितीय ने देश का वास्तविक ज्ञान नहीं रहने के कारण मंत्रिमंडल की बैठकों में जाना छोड़ दिया था। किन्तु अभी तक वालपोल को मंत्रिमंडल के मंत्रियों के चुनाव में पुरी स्वतंत्रता नही मिली थी। दोनों जार्ज राजाओं ने भी कुछ मंत्रियो को चुना था। पर दोनो जार्ज अधिकतर मंत्रिमंडल की बैठक से बाहर रहा करते थे। अतः उनकी अनुपस्थिति के कारण मंत्रिमंडल का सभापतित्व करने के लिए किसी एक व्यक्ति की आवश्यकता आ पड़ी थी। इसलिए सभी मंत्री मिलकर वालपोल का चुनाव किया।